आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–26 जनवरी 2025 भोजपुरी समाचार

प्रदेस भर में छिहत्तरवां गणतंत्र दिवस हर्सोल्लास के साथे मनावल जा रहल हौ। भिन्नहीं प्रदेस क राज्यपाल आनंदीबेन पटेल विधानसभा के सामने परेड क सलामी लिहलिनि। येह दौरान निकारल गइल झांकियन में प्रदेस क विकास अउर सांस्कृतिक बिरासत क झलक देखाई परल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास पर ध्वजा फहरवलें अउर पूरा प्रदेसवासियन के गणतंत्र दिवस क सुभकामना दिहलें। येह मौका पर उहां के कहलीं कि भारत क संविधान हम्मे न्याय, संहिता अउर बंधुता के साथे जोड़ले क एगो नया प्रेरणा देला। सम अउर बिसम परिस्थितियन में ई पूरा भारत के एकता के सूत्र में बन्हले में सफल रहल हौ।

हमें अपने संविधान पर गौरव की अनुभूति इस बात के लिये भी करनी चाहिए कि दुनिया के अन्दर सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का सौभाग्य हमारे देश को है। यहां पर बिना भेदभाव के प्रत्येक जाति, मत, सम्प्रदाय, मजहब को पहले आम चुनाव से ही हर वयस्क मतदाता को मताधिकार की ताकत प्राप्त हुई है।

गणतंत्र दिवस के मौका पर श्री योगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अउर डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद जइसन महान स्वतंत्रता संग्राम क महानायकन के सरधांजलि अरपित कइलें। उहां के संविधान के जोगदान क चरचा करत कहलीं कि ई बाबा साहब डॉक्टर अम्बेडकर के अगुआई क नतीजा हौ कि आजु भारत के लग्गे एगो समावेसी अउर प्रगतिसील संविधान हौ।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु गणतंत्र दिवस के मौका पर लखनऊ में अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता बरिस दुइ हजार पचीस क सुभारम्भ कइलें। येह मौका पर उहां के कहलीं कि उत्तर प्रदेस अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता बरिस दुइ हजार पचीस क सुभारम्भ करे वाला देस क पहिला राज्य हौ। मुख्यमंत्री प्रयागराज में आयोजित हो रहल महाकुंभ्झ दुइ हजार पचीस के सहकारिता क सबसे उत्कृष्ट उदाहरण बतवलें। उहां के कहलीं कि प्रयागराज में आजु करीब अढ़ाई से तीनि करोड़ लोगि पवित्र संगम में डुकबी लगावे पहुंचल हवें। ई पूरा कार स्वचालित अउर आपसी सहभागिता के आधार पर चलि रहल हौ। भारत के जीने में सहकारिता क भावना रचल–बसल हौ। येह मौका पर श्री योगी सुल्तानपुर में पांच हजार अउर कौशाम्बी में पनरह हजार मीट्रिक टन के गोदामन क उद्घाटन कइलें। उहां के रन फॉर कॉर्पोरेसन मैराथनों क झंडी देखा के सुभारम्भ कइलीं, जेहमें ढेरि संख्या में नौजवान हिस्सा लिहलें।

****

मौनी अमौसा से पहलहीं प्रयागराज महाकुंभ में सरधालुअन क भारी भीड़ि जुटे लागलि हौ। पछिला दुइये दिन में सवा करोड़ से बेसी लोगि संगम में नहइलें। मौनी अमौसा के दिन्ने करीब दस करोड़ सरधालुअन के अइले क अनुमान हौ। सरधालुअन के कउनों तरह क असुविधा न हो, एकरे खातिर मेला प्रसासन अउर पुलिस पुरहर तइयारी कइले हवे। पूरा मेला क्षेत्र में गाड़ियन पर रोकि लगावल गइल हौ। संगम के किनारे बैरिकेडिंग क कार तेजी से पूरा कइल जा रहल हौ जवने से भीड़ि काबू में रहे। सरधालुअन के आवे–जाये बदे हर सेक्टर अउर जोन में खास इंतिजाम कइल गइल हौ। येह दौरान कउनहूं तरह क प्रोटोकॉल लागू नाहीं होई। संगम के किनारे ढेरि भीड़ि न होखे एकरे बदे इंटीग्रेटेड कंट्रोल एण्ड कमांड सेंटर निगरानी करी। भीड़ि–भाड़ वाले इलाकन में जुरते कार्यवाही बदे बिसेस दल तैनात कइल गइल हवें। प्रमुख राहिनि पर खास निगरानी कइल जा रहल हौ। सथहीं अराजक अउर संदिग्धो लोगिन पर नजरि रक्खल जा रहल हौ। मेला क्षेत्र में सज्जो पार्किंग के सक्रिय कइ दीहल गइल हौ। दुइ हजार से बेसी नया साइनेज बोर्ड लगावल गइल हौ जवने से सरधालु सही दिसा में असानी से जा सकिहें। सरधालुअन से मेला क आधिकारिक चैटबॉट डाउनलोड कइले क अपीलि कइल जा रहल हौ ताकि उन्हें हर तरह क जनकारी मिलि सके।

****

केन्द्र सरकार यूनीफाइड पिनसिनि स्कीम यानी यूपीएस बदे काल्हि अधिसूचना जारी कइ दिहलस। एकरे तहत केन्द्रीय सरकारी करमचारी के रिटायर भइले से पहले आखिरी बारह महिन्ना क औसत मूल्य वेतन क पचास फीसदी सुनिस्चित पिनसिनि मिली। एकर लाभ ओह करमचारियन के मिली जे पहिले से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली यानी एनपीएस से जुड़ल हवें अउर येह बिकल्प के चुनिहें। यूपीएस अपनावे वाले करमियन के महंगाई भत्ता में समय–समय पर बढ़ोत्तरी होई। ई स्कीम देस भर में एक अपरैल दुइ हजार पचीस से लागू होई। अधिसूचना के मोताबिक सेवा से हटावल गइले, बरखास्तगी चाहे करमचारी के इस्तीफा के हालति में यूपीएस या सुनिस्चित भुगतान उपलब्ध नाहीं होई। यूपीएस क घोसणा केन्द्र सरकार अगस्त दुइ हजार चउबीस में कइले रहल। एके पुरान पिनसिनि योजना अउर नया पिनसिनि योजना दुन्नो के मिला के बनावल गइल हौ। ई करमचारियन बदे पिनसिनि सुनिस्चित करे ले।

****

गणतंत्र दिवस के मौका पर पीलीभीत में टाइगर रिजर्व प्रसासन की ओरि से छात्र–छात्रा लोगिन के फ्री सफाई करावल गइल अउर टाइगर क करमचारी, नेचर गाइड एवं सफारी वाहन चालक सफाई अभियान चला के जंगल के साफ रखले क संकल्प लिहलें।

****